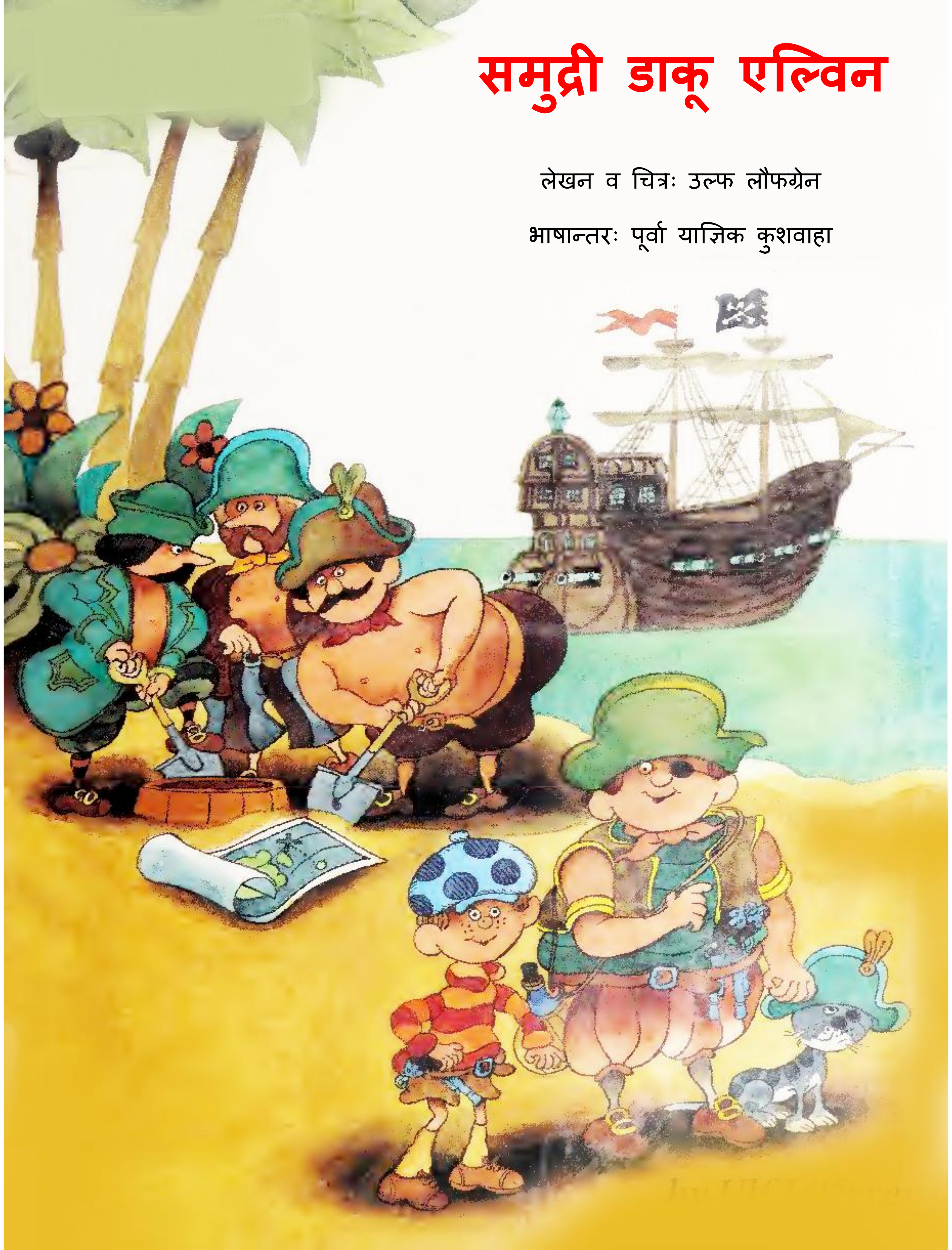
समुद्री डाकू एल्विन

लेखन व चित्रः उल्फ लौफग्रेन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा



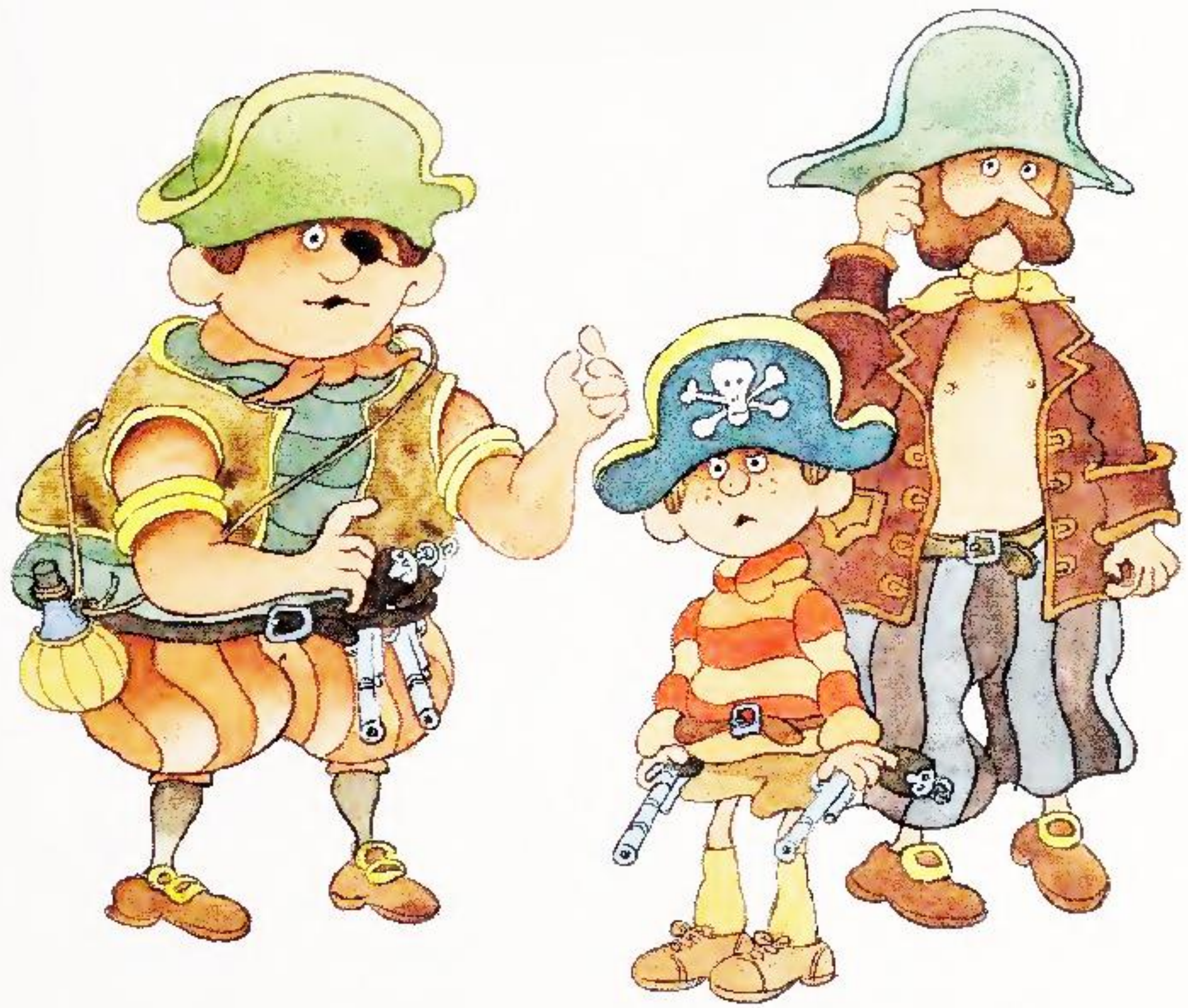
एक दिन एल्विन समुद्र तट पर गड़ा खज़ाना तलाशने गया। अचानक समुद्री डाकुओं का एक दल आया और उन्होंने एल्विन को डाकुओं के जहाज़ *समुद्री डायन* का कप्तान होने का ऐलान किया। डाकुओं वाला बड़ा-सा टोप पहन, पिस्तौल से लैस कप्तान एल्विन सात समुद्रों के सफर पर निकला। पर मज़ा तब शुरू हुआ जब *समुद्री डायन* की राह दूसरा जहाज़ आया, जो उनका कट्टर दुश्मन *ज़र्द मौत* था। फिर डाकूगिरी पहले जैसी नहीं रही, वह एल्विन के काल्पनिक समुद्र के इस साहसिक कारनामे में तब्दील हो गई।

स्वीडी लेखक उल्फ लौफग्रेन ने हास्य-उल्लास से भरी यह कथा रची है जिसमें गड़ा खज़ाना, समुद्री डाकुओं के जहाज़ - और सलाद हैं। लौफग्रेन के रंगीन चित्र व उनका खिलंदड़पन से भरा वर्णन डाकूगिरी को बेवकूफी भरी लड़ाई में तब्दील करते हैं। हरेक बच्चे को, लड़की या लड़के को, डाकुओं के जीवन में यह अनूठा मोड़ पसन्द आएगा।

समुद्री डाकू एल्विन

लेखन व चित्रः उल्फ लौफग्रेन

भाषान्तरः पूर्वा याज्ञिक कुशवाहा





एक दिन एल्विन समुद्र तट पर गड़े खज़ाने की तलाश में निकला। वह अपने साथ एक बड़ा फावड़ा लाया था। "अगर मैं सच में डाकू होता तो मैं अपना खज़ाना कहाँ गाड़ता?" उसने सोचा। उसने तट में आगे-पीछे खूब छानबीन की। आख़िरकार उसे वह जगह मिल ही गई जो उसके हिसाब से खज़ाना गाड़ने के लिए बिलकुल सही थी।

सो एल्विन ने उसी जगह खोदना शुरू किया। वह खोदता गया, खोदता गया, जब तक अचानक उसका फावडा किसी कठोर चीज़ से टकरा न गया। "शर्तिया यह संदूक सोने से भरा होगा," एल्विन ने सोचा। "ज़रूर समुद्री डाकुओं ने इसे यहाँ गाड़ा होगा।" एल्विन और तेज़ी से खोदने लगा।



"वाह! मुझे खज़ाने से भरा संदूक मिल गया, और मेरे पास तो कोई नक्शा भी नहीं था।" वह सोच ही रहा था कि उसी पल एल्विन ने किसी को चिल्लाते सुना, "कप्तान एल्विन! कप्तान एल्विन!"





एल्विन ने नज़र उठा कर देखा कि एक पूरे जहाज भर समुद्री डाकू उसकी ओर बढ़े आ रहे थे। ''जनाब, हमें आपका टोप और बन्दूक मिल गई, जहाज़ की बिल्ली भी। किसी ने उसे जहाज़ के पीपे में छिपा दिया था।''

''वहाँ कप्तान, उधर देखो। ऑस्कर नीलीनाक आपका टोप और बन्दूक अपने सिर के ऊपर उठा हिला रहा है। चलो, अपन मिल कर खज़ाना खोदते हैं तब जहाज़ से आगे चल पड़ते हैं। क्या कहते हो कप्तान एल्विन?''





“अरे भई, मेरा नाम कैसे पता चला तुमको? मैं तो तुम्हें और तुम्हारे नाम जानता तक नहीं। और तुम लोग मुझे कप्तान क्यों कह रहे हो?” एल्विन हकलाता हुआ बोला।

“काँपें मेरी हड्डियाँ! तुम अपने पुराने साथी सुड़सुड़ सिन्दबाद को भूल गए? पर यह तो नहीं भूल सकते कि तुम हमारे जहाज़ के कप्तान हो। बाकी डाकू तो सारे नए हैं, ज़ाहिर है तुम उन्हें नहीं जानते होगे। देखो वह ऑस्कर नीलीनाक है, और ये हैं हिल्मार पैरवाला, क्रूर फर्डिनैन्ड, नैपोलियन नहानतसला, भयंकर एन्टॉन, स्नूक ठोड़ीमल, साइमन गलमुच्छा, विकराल होमर और खौफ़नाक गुस्ताव।

अब कप्तान एल्विन मामला समझ गया। वह अपनी ज़िम्मेदारी निभाने को तैयार था। “खज़ाने के संदूक को खोद निकालो,” एल्विन ने अपनी उम्दा कप्तानी आवाज़ में हुकुम दिया। तब सुड़सुड़ सिन्दबाद से फुसफुसा कर बोला, “मझे अपने जहाज़ का नाम याद नहीं आ रहा!”

“काँपें मेरी हड्डियाँ! सुड़सुड़ चीखा। “अपने दोस्त का नाम भूले यह तो ठीक है, पर अपने जहाज़ का नाम भूलना! अरे उसका नाम है *समुद्री डायन* ।”

“अरे हाँ! बेशक!” कप्तान एल्विन ने जवाब में कहा।



कुछ ही समय में डाकुओं ने संदूक को खोद निकाला। वे उसे घसीट कर पानी के पास लाए और उसे नाव पर रख चढ़ा दिया।

"चलो समुद्र में! *समुद्री डायन* के पास!" कप्तान एल्विन ने हुकुम दिया।

"जी जनाब, कप्तान!"









जब सब जहाज़ पर सवार हो गए, एल्विन खज़ाने वाले संदूक पर चढ़ा।

''ज़िन्दाबाद एल्विन! हम डाकुओं का कप्तान,'' डाकुओं ने नारा लगाया।

''चलो हम बढ़ते हैं, सातों समुन्दर का सफर करते हैं,'' कप्तान एल्विन ने बुलन्द आवाज़ में कहा।

''जी जनाब!'' सभी समुद्री डाकू चिल्लाए। निकलने का समय तो हो ही चुका था। *समुद्री डायन* आगे बढ़ी ही थी कि डाकुओं ने चार्ली तोपवाले की चीख सुनी, ''सामने जहाज़ है!'' वह जहाज़ के कौआ घोंसले पर चढ़ा निगरानी कर रहा था।

''खुदा ख़ैर करे! यह तो *ज़र्द मौत* है, हमारे जानी दुश्मनों का जहाज़। वह पूरी रफ्तार से सीधे हमारी ओर बढ़ा आ रहा है।''





"चलो सब तोपें संभालो," कप्तान एल्विन ने हुकुम दिया। "हम *ज़र्द मौत* को तोपों से चूर कर यहीं समुद्र में दफ्न कर देंगे।"

"जी जनाब कप्तान," सुड़सुड़ सिन्दबाद ने खिसियाते हुए कहा, "पर हमारे तोप के गोले तो खत्म हो चुके हैं और बन्दूकों के लिए हमारे पास गोलियाँ भी नहीं हैं।"

"क्या कह रहे हो? हमारे पास तोप के गोले और बन्दूकों की गोलियाँ नहीं हैं?" कप्तान एल्विन ने पूछा। "मैंने कभी सुना ही नहीं कि समुद्री डाकुओं के जहाज़ में तोप के गोले और बन्दूक की गोलियाँ न हों! शर्त लगे *ज़र्द मौत* के पास हम पर दागने को ढेरों तोप के गोले और बन्दूक की गोलियाँ जरूर होंगी"

"जी जनाब, आप शायद सही कह रहे हो," सुड़सुड़ सिन्दबाद ने कहा। "पर हमारे पास जहाज़ में काफी तरबूज, चकोतरे, और संतरे हैं। हम उनका इस्तमाल कर सकते हैं।"

"शायद यही करना पड़ेगा," कप्तान एल्विन ने कहा। "पर अजीब है ना - तरबूजों, संतरों से लड़ना ..."





पर *समुद्री डायन* के डाकुओं का नसीब अच्छा था। इत्तफाक से *ज़र्द मौत* के पास भी तोप के गोले और बन्दूक की गोलियाँ खत्म हो चुकी थीं। सच तो यह था कि इन दुश्मन डाकुओं के पास लड़ने के लिए सिर्फ टमाटर थे - और सब जानते हैं कि टमाटरों से खास नुकसान नहीं होता।

तो दोनों जहाजों में जंग शुरू हुई। एक ओर से तरबूज, सेब, और संतरे, और दूसरी ओर से टमाटर हवा में उड़ने लगे। अचानक कप्तान एल्विन को अहसास हुआ कि वह भूखा है।

''इन हरे सेबों का स्वाद तो गज़ब का है,'' उसने खुश हो कर कहा।

पर सुड़सुड़ सिन्दबाद को मालूम था कि उन्हें चौकन्ना बने रहना है। ''कप्तान एल्विन! कप्तान एल्विन!'' सुड़सुड़ सिन्दबाद चीखा। ''*ज़र्द मौत* हमारे पास आता जा रहा है। वे हमारे जहाज़ पर चढ़ आने वाले हैं। हमें क्या करना चाहिए?''

''हमें अपनी तलवारें और कटारें अपनी म्यान से निकाल तैयार हो जाना चाहिए,'' कप्तान एल्विन ने कहा।



''अरे रे! हम अपनी तलवारें और कटारें तो घर छोड़ आए हैं,'' सुड़सुड़ सिन्दबाद ने शर्मिन्दगी से आह भरते कहा।

''तो फिर हम लड़ेंगे काहे से'' कप्तान एल्विन ने खीज कर जानना चाहा। ''तुम लोग किस तरह के समुद्री डाकू हो, जो अपनी तलवारें और कटारें घर भूल आए हो?''

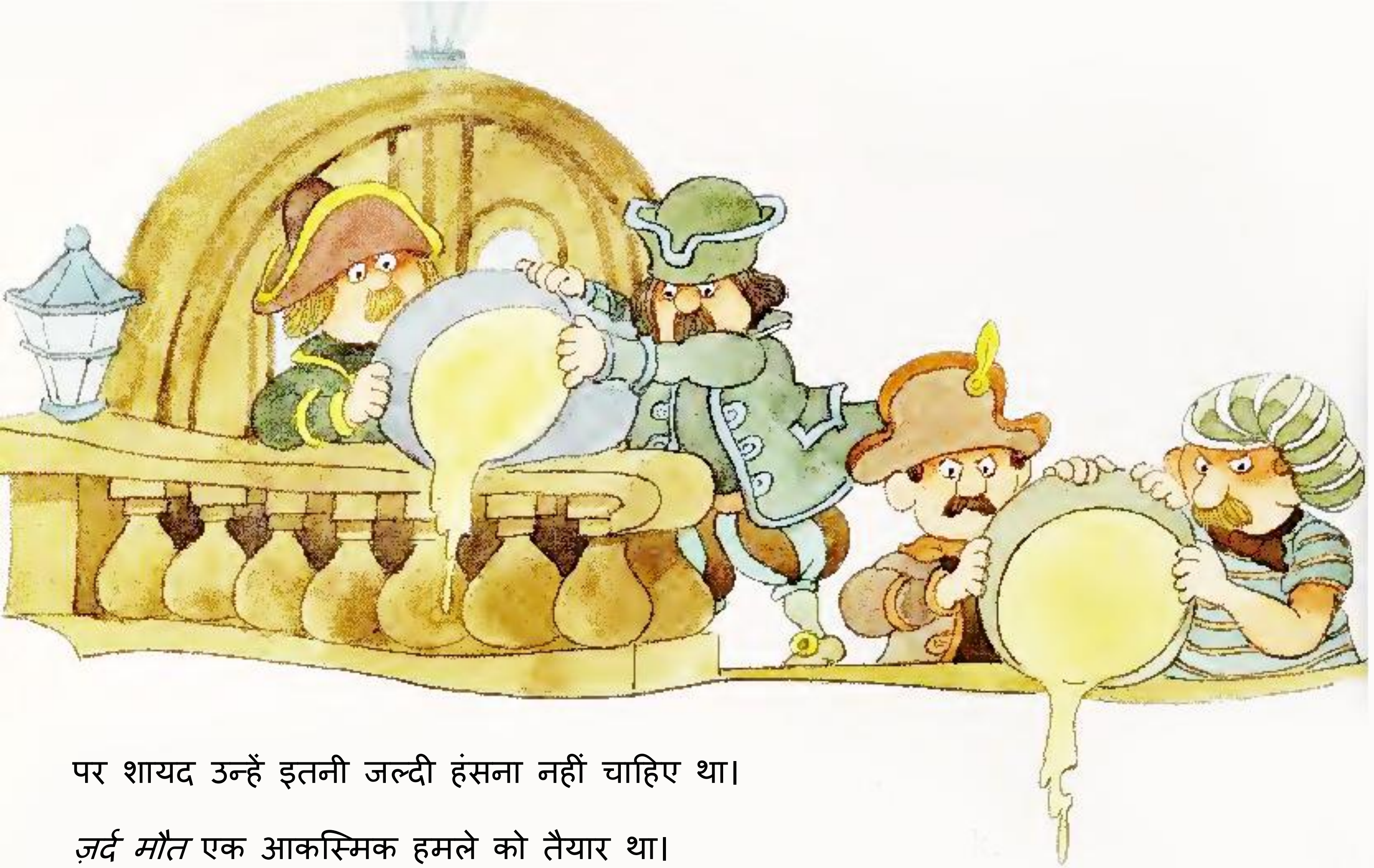
''जी जनाब, आप सही कह रहे हैं। पर हमारे पास ढ़ेरों खीरे और सॉसेज हैं, हम उनसे लड़ सकते हैं,'' सुड़सुड़ सिन्दबाद ने सुझाया।

''तो लैस हो जाओ साथियों,'' कप्तान एल्विन ने हुकुम दिया।

''उधर देखो! लगता है *ज़र्द मौत* के डाकू भी अपनी तलवारें ओर कटारें घर छोड़ आए हैं। हा हा हा!''

कप्तान एल्विन ने भी हंसना शुरू कर दिया।





पर शायद उन्हें इतनी जल्दी हंसना नहीं चाहिए था।

ज़र्द मौत एक आकस्मिक हमले को तैयार था।

"बचाओ!" सुड़सुड़ सिन्दबाद और खौफ़नाक गुस्ताव चीखे। "वे हम पर बाल्टियों भर सलाद की चटनी उडेल रहे हैं। हम सब चिपचिपे हो जाएंगे।"

"तो फिर हम लोग भी पलट कर उन पर फिंटी हुई मलाई और रसभरी की चाशनी फेंकते हैं," ख़ौफनाक गुस्ताव ने कहा। "इससे वे भी चिपचिपे हो जाएंगे।"

पर कप्तान एल्विन को कुछ बेहतर सूझा। "रुको!" कप्तान एल्विन ने *ज़र्द मौत* के डाकुओं से कहा। "मुझे तुम्हारे कप्तान से बात करनी है। कप्तान खूनी कालीदाढ़ी से।"



एक टाँग और एक ही आँख वाला कप्तान खूनी कालीदाढ़ी *समुद्री डायन* पर चढ़ा।

"इतना लड़ने के बाद हम सब काफी भूखे हो गए हैं," कप्तान एल्विन ने कहा।

"लड़ने के बदले हम खाने के लिए सलाद बना लेते हैं। हमारे पास, खीरे हैं, टमाटर और गाजर हैं, शतवार और सॉसेज हैं, और है बढ़िया चटनी।"



"हम्म्म्म, ख़याल तो अच्छा है," दरअसल कप्तान खूनी कालीदाढ़ी को भी भूख लगी थी।

"और तब हम मीठे के नाम पर फलों का सलाद खा सकते हैं। हमारे पास केले और संतरे, तरबूज और चकोतरे हैं। हमारे पास फिंटी हुई मलाई ओर रसभरी की चाशनी भी है," कप्तान एल्विन ने प्रस्ताव रखा।

क्या शानदार दावत थी! सबने बढ़िया चटनी मिला ढ़ेर सारा सलाद खाया। फलों के सलाद और रसभरी की चाशनी की आखिरी बूंद तक चट कर दी। भरपेट खाने के बाद खुश पर थके हुए डाकुओं को नींद आ गई।







पर *ज़र्द मौत* के डाकू सोने का ढोंग कर रहे थे। वे चुपके से उठे और गहरी नींद सोते हुए कप्तान एल्विन को उठा, दबे पाँव अपने जहाज़ पर लौट गए।



अगली सुबह कप्तान खूनी कालीदाढ़ी ने अपने लकड़ी के नकली पैर से ठोकर लगा कप्तान एल्विन को जगाया। "तो दोस्त, हम तुम्हें तख्ते पर चलवा कर समुद्र में नहीं डुबाएंगे, इतना वादा करता हूँ," कप्तान खूनी कालीदाढ़ी ने क्रूर मुस्कान के साथ कहा। "ना, नहीं। पर तुम झूलनी पर से एक सफर करने वाले हो।" इतना कह कप्तान खूनी कालीदाढ़ी ठठा कर खूंखार हंसी हंसा।

तीन डाकू दुंबल पर तैयार खड़े थे, और कप्तान एल्विन झुलनी के एक सिरे पर बैठा था। "देखो, तुम तीनों एक साथ नीचे कूदना," कप्तान खूनी कालीदाढ़ी ने हुकुम दिया। वे तीनों डाकू इतनी तेज़ी और ज़ोर से कूदे कि एल्विन हवा में उछला, उड़ा और ....





... समुद्र के ऊपर एक खौफ़नाक उड़ान भरता बढ़ा, उसका डाकुओं वाला टोप, और उम्दा बन्दूक, दोनों ही न जाने कहाँ गिर गए ...



...आख़िरकार वह ठीक वहाँ जा पहुँचा, जहाँ वह अपनी पुरानी टोपी और फावड़े को छोड़ आया था। "अच्छा ही हुआ," एल्विन ने सोचा। "मैं समुद्री डाकू बनने से थक चुका था।"





स्वीडी लेखक व चित्रकार उल्फ लौफग्रेन की रुचि हमेशा से चित्र बनाने और उन्हें रंगों से सजाने में रही है। कला व साहित्य के इतिहास में स्नातक करने के बाद उन्होंने विज्ञापन का प्रशिक्षण लेना शुरू किया। पर दो ही दिनों में लौफग्रेन को अहसास हो गया कि यह क्षेत्र उनके लिए नहीं है। सो उन्होंने अपनी पहली बाल पुस्तक के लिए चित्र बनाए। इस किताब ने एल्सा बेस्को पुरस्कार जीता। इससे उत्साहित हो वे किताबों के लिए चित्र बनाते रहे। बाद में वे बच्चों के लिए लिखने भी लगे। उनकी रचनाएं स्वीडिश नैशनल म्यूज़ियम तथा स्लोवाक नैशनल गैलरी में प्रदर्शित हैं।

